RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
संचार जगत
मो.नम्बर:- +917357161599

संचार जगत
दैनिक समाचार पत्र
sancharjagat.com
editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो।'

वर्ष:13 | अंक: 288 जयपुर, शनिवार, 21 नवम्बर 2026 मूल्य: 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

ऑपरेशन सिंदूर में राफेल ने पीओके में मचाई थी तबाही

पाक से पैसा लेकर ब्रिटिश पब्लिकेशन ने छापी थी राफेल जेट की गलत खबर

भारतीय एयरफोर्स के पास अब भी हैं 36 एक्टिव राफेल, पाकिस्तान की ओर से फ्लाइटग्लोबल को दिए गए थे पैसे

नई दिल्ली/संचार जगत

ब्रिटिश एविएशन पब्लिकेशन फ्लाइटग्लोबल ने अपनी वर्ल्ड एयर फोर्सेज डायरेक्टरी 2027 में ये दावा किया है कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा खरीदे गए 36 राफेल लड़ाकू विमानों में से 32 अभी सक्रिय हैं। हकीकत ये है कि भारत के पास अब भी 36 एक्टिव राफेल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वाइस एयर चीफ रहे एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने पूरी तरह से गलत करार दिया है। ये वही राफेल हैं, जिन्होंने मई, 2025 के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। उसी वक्त से पाकिस्तान राफेल से चिढ़ा हुआ है और जब-तब इसके खिलाफ प्रोपेगंडा वाली खबरें छपवाता रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान वायु सेना ने इस महीने आने वाले संस्करण में अपने प्रचार-प्रसार वाले लेख के लिए, ब्रिटिश एयरोस्पेस पत्रिका के संपादक एलन वॉर्न्स को 34,000 पाउंड से अधिक का भुगतान किया है। फ्लाइटग्लोबल की रिपोर्ट में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के पास 4 राफेल जेट की संख्या कम होने के पीछे कोई स्पष्टीकरण या सबूत नहीं दिया गया है। इस



रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वाइस एयर चीफ रहे एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी (रिटायर्ड) ने इन आंकड़ों को पूरी तरह से गलत बताया और इस एविएशन मैगजीन के स्रोतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीनों बाद प्रकाशित अपनी पिछले साल की रिपोर्ट में भी, फ्लाइटग्लोबल ने 35 सक्रिय राफेल विमानों का जिक्र किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, सिरियम सार्वजनिक रूप से देखे गए विमानों, फ्लाइट-ट्रैकिंग, ओपन-सोर्स डेटा और रक्षा संबंधी रिपोर्टों के आधार पर टेल नंबरों के जरिए विमानों के बेड़े को ट्रैक करती है।

सिरियम के डेटा पर आधारित है ये आकलन

फ्लाइटग्लोबल की ओर से प्रकाशित ये आकलन सिरियम द्वारा जुटाए गए डेटा पर आधारित है। सिरियम ब्रिटेन की एक कंपनी है जो विमानों से जुड़ी जानकारी और उनके बेड़े (फ्लीट) को ट्रैक करने का काम करती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस डायरेक्टरी में पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा संचालित साब 2000 एरीआई एयरबोर्न अर्ली वार्निंग विमानों की संख्या को नौ से घटाकर सात कर दिया गया है। मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष से पहले इनकी संख्या नौ दर्ज थी।

पिछली बार भी राफेल की संख्या 35 बताई गई थी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद नवंबर 2025 में प्रकाशित फ्लाइटग्लोबल की इस डायरेक्टरी के पिछले संस्करण में भारत के बेड़े में मौजूद इन फ्रांसीसी निर्मित राफेल विमानों की संख्या 35 बताई गई थी। हालांकि, भारतीय मीडिया ने रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से इस आकलन की प्रमाणिकता पर सवाल उठाया है और कहा कि यह जानकारी मंत्रालय की ओर से नहीं दी गई थी। राफेल सौदे को लेकर भारत आगे बढ़ रहा है और आईएएफ प्रमुख फ्रांस में बातचीत कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि डायरेक्टरी में छपे आंकड़े आईएएफ की ओर से नहीं आए हैं। वहीं, डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर्ड) जेएस सोढ़ी ने कहा है कि यह इस्लामाबाद की भारत को बदनाम करने की साजिश है। वायुसेना के पास अब भी एक्टिव 36 राफेल हैं। पाकिस्तान के आरोप बेबुनियाद हैं और प्रोपेगंडा हैं।

डूबने की कगार पर पहुंची स्पाइसजेट एयरलाइन, डीजीसीए ने भेजा नोटिस

50% से ज्यादा फ्लाइट्स हुई रद्द, नोटिस में बकाया भुगतान जैसे मुद्दे उठाए गए, सात दिन में देना होगा नोटिस का जवाब

नई दिल्ली/संचार जगत

संकट से जूझ रही बजट एयरलाइन स्पाइसजेट की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। विमानन नियामक डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इस हफ्ते एयरलाइन को एक शो कॉज नोटिस (कारण बताओ नोटिस) भेजा है। इसमें विमानन नियमों का बार-बार उल्लंघन, फ्लाइट्स के संचालन में लगातार आ रही रुकावटें, बकाया भुगतान और जुर्माने का भुगतान न करना और बिना किसी ठोस रिकवरी प्लान के अपने ज्यादातर विमानों को खड़ा कर देने जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।

गंभीर वित्तीय संकट के कारण स्पाइसजेट का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पिछले कुछ दिनों में एयरलाइन की ज्यादातर फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं और जो फ्लाइट्स चल भी रही हैं, वे काफी देरी से चल रही हैं। एयरलाइन के इस संकट से यात्री काफी परेशान हैं और सोशल मीडिया पर शिकायतों की भरमार है।



फंड को लेकर कोई स्पष्टता नहीं

हालांकि, इस हफ्ते की शुरुआत में एयरलाइन ने बताया कि उसके बोर्ड ने अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए 5,500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, लेकिन यह फंड कब जुटाया जाएगा, इस पर अभी कोई स्पष्टता नहीं है। यह नोटिस इस बात को उजागर करता है कि स्पाइसजेट अपने खड़े विमानों को वापस कमर्शियल सर्विस में लाने के लिए कोई ठोस और व्यावहारिक योजना पेश करने में विफल रही है। इस बीच, एयरलाइन की ऑपरेशनल क्षमता और शेड्यूल की नियमितता बुरी तरह प्रभावित हुई है।

कर्मचारियों को नहीं मिल रही समय पर सैलरी

नियामक ने गौर किया है कि स्पाइसजेट के कामकाज के प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। इसमें समय पर उड़ान भरने की दर (ओटीपी) में भारी कमी, फ्लाइट्स में देरी की बढ़ती घटनाएं और बड़ी संख्या में फ्लाइट्स का रद्द होना शामिल है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन अपने मंजूर किए गए फ्लाइट शेड्यूल का पालन करने में भी नाकाम रही है। साथ ही, इन रुकावटों के असर को कम करने के लिए यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाएं भी नाकाफी रही हैं। कैश की भारी किल्लत, बढ़ता बकाया, खड़े कर दिए गए विमान, कर्मचारियों के वेतन में देरी और बड़ी संख्या में फ्लाइट्स रद्द होने की वजह से यह बजट एयरलाइन बेहद नाजुक स्थिति में पहुंच गई है। इससे यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या एयरलाइन बिना तुरंत फंड मिले अपना कामकाज जारी रख पाएगी। अक्टूबर में एयरलाइन का घरेलू मार्केट शेयर गिरकर सिर्फ 0.6 प्रतिशत रह गया, जो जनवरी में लगभग 4 प्रतिशत था।

रालसा का सड़क सुरक्षा अभियान 2.0 शुरू

संचार जगत

जोधपुर। प्रदेश में दो महीने तक सड़क सुरक्षा के संबंध में राज्यव्यापी अभियान 16 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक चलाया जा रहा है। परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा स्लीपर कोच, लग्जरी बसों, सिटी बसों और मिनी बसों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वाहनों के वैध परमिट, फिटनेस प्रमाण-पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र, आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर और अनिधकृत संरचनात्मक बदलावों की जांच की गई। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों और संचालकों के



विरुद्ध नियमानुसार चालान काटने तथा गंभीर अनियमितता पाए जाने पर वाहन जब्त करने की कार्रवाई की गई। अभियान का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और बस संचालन से जुड़े निर्धारित नियमों एवं मानक संचालन प्रक्रिया की पालना करवाना है।

सागर के बंडा में शराब पीने से 2 लोगों की मौत

नई दिल्ली/संचार जगत

जिले में शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है। दोनों मृतक बंडा क्षेत्र के ग्राम सेमरा रामचंद्र के रहने वाले थे। उनकी पहचान कमलेश लोधी (45) और चंद्रभान सिंह (42) के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि दोनों ने गुरुवार को डीसीआर की लाल मसाला शराब पी थी। मामले में जहरीली शराब के एंगल से भी जांच की जा रही है। एडिशनल एसपी जयवीर सिंह भदौरिया के मुताबिक, कमलेश की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ गई थी। उसे पहले से पाइल्स की बीमारी थी और लगातार रक्तस्राव हो रहा था। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। (शेष पेज 8 पर)



दोनों ने डीसीआर की लाल मसाला शराब पी थी

साम्राज्यों ने दुनिया का नक्शा बदला, संवाद ने सोच का तरीका

नई दिल्ली/संचार जगत



एससीओ मंच से पीएम मोदी ने बातचीत और सांस्कृतिक जुड़ाव को दुनिया की शांति के लिए जरूरी बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के पुराना किला में तीन दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभ्यतागत रिश्ते और आपसी सद्भाव दुनिया में शांति और खुशहाली की सबसे मजबूत नींव बन सकते हैं।

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जारी युद्ध और संघर्षों के बीच इन रिश्तों का महत्व और बढ़ जाता है। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के संघीय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि साम्राज्यों ने दुनिया के नक्शे बदले हैं, लेकिन सभ्यताओं के बीच संवाद ने दुनिया के विचारों को बदला और उन्हें समृद्ध किया है। इसलिए एससीओ का सभ्यतागत संवाद मंच केवल औपचारिक आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे ऐसा मंच बनना चाहिए जो दुनिया को नई दिशा देने में सक्षम हो। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विचारधारा वसुधैव कुटुंबकम का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की सीख देती है।

कार्यक्रम 57 वें फिल्म फेस्टिवल मे देश-विदेश के फिल्मी हस्तियों प्रेमियों का जमावड़ा लगा

गोवा: नौ दिन चलने वाले आईएफएफआई की शुरुआत

नई दिल्ली/संचार जगत

57वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को गोवा में हो गया है। यह नौ दिवसीय सिनेमाई उत्सव 20 से 28 नवंबर 2026 तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश की दिग्गज फिल्मी हस्तियां और सिनेमा प्रेमी जुटे हैं। तालेगांव स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में गोवा के सीएम डॉ. प्रमोद सावंत और महोत्सव निदेशक व फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर ने दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया।

समारोह में अभिनेता व सांसद रवि किशन, प्रसार भारती के अध्यक्ष प्रसून जोशी, कार्तिक आर्यन, श्रद्धा कपूर, साई पल्लवी, मधुर भंडारकर और आनंद एल. राय सहित कई नामी कलाकार शामिल हुए। ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज ने अपने सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा की विशेष प्रस्तुति दी। इस वर्ष इफ्फी की थीम सरहदों से परे की कहानियां रखी गई है, जो भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं से ऊपर उठकर वैश्विक सिनेमा को जोड़ने का संदेश देती है।



76 फिल्मों का होगा प्रदर्शन

86 देशों की 150 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों और 18 भारतीय भाषाओं की 76 फिल्मों (इंडियन पैनोरमा) की स्क्रीनिंग की जा रही है। महोत्सव की शुरुआत पोलिश फिल्म निर्माता पावेल पावलिकोव्स्की की फिल्म 'फादरलैंड' से हुई है, जबकि समापन सिंगापुर की फिल्म 'वी आर ऑल स्ट्रेंजर्स' से होगा। नए खंड और वेव्स फिल्म बाजारै। इस साल 'फिल्म्स अबाउट फिल्म्स' और 'एनीमेशन' नाम से दो नए खंड जोड़े गए हैं। साथ ही, फिल्म निर्माताओं और निवेशकों को जोड़ने के लिए एनएफडीसी द्वारा वेव्स फिल्म बाजार के 20वें संस्करण का आयोजन भी किया जा रहा है।

संसद के विशेष सत्र को लेकर असमंजस में इंडिया गठबंधन

विपक्ष को अब तक एजेंडे की जानकारी नहीं

नई दिल्ली/आरएनएन। संसद के प्रस्तावित विशेष सत्र का एजेंडा स्पष्ट नहीं होने से इंडिया गठबंधन के दलों में असमंजस है। सत्र में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना है।

इसमें महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान भी शामिल है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार से विशेष सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने विपक्ष को अब तक सत्र के एजेंडे की जानकारी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकसभा की कुल सीटें अगले 25 वर्षों तक 543 पर स्थिर रखने और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की मौजूदा सीटें बरकरार रखने के पक्ष में है।



दो-तिहाई बहुमत पर नजर

पिछले अप्रैल में परिसीमन विधेयक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इस बार भाजपा नेताओं का दावा है कि सरकार के पास दोनों सदनों में जरूरी समर्थन है। वहीं, विपक्षी दलों के बीच भी संख्या बल और राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चा जारी है। हालांकि, विभिन्न दलों का अंतिम रुख स्पष्ट नहीं है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त हुआ था, लेकिन उसका अब तक सत्रावसान नहीं किया गया है। ऐसे में सरकार तीन दिन के नोटिस पर विशेष सत्र बुला सकती है। सामान्य तौर पर सत्रावसान के बाद नया सत्र बुलाने के लिए 14 दिन का नोटिस देना होता है।

संपादकीय

किसानों की समृद्धि में सहायक स्वस्थ पशुधन

हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पशुधन के स्वास्थ्य और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि के संबंध में कहा कि पशु स्वस्थ होगा, तो पशुपालकों की कमाई भी बढ़ेगी। यह विचार भारतीय कृषि और पशुपालन के उस व्यापक सोच को अभिव्यक्त करता है, जिसमें किसानों की आय, पशुधन का स्वास्थ्य और ग्रामीण अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। पशु-पक्षियों को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखना केवल पशु चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका, पोषण सुरक्षा और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की रक्षा का महत्वपूर्ण दायित्व है। कृषि अर्थव्यवस्था में पशुपालन, डेरी और कुक्कुट पालन की महती भूमिका है।

करोड़ों ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं और छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए ये गतिविधियां आय, रोजगार और आर्थिक सुरक्षा का आधार हैं। संकट के समय पशुधन आर्थिक संबल भी बनता है। ऐसे में पशुओं के रोगों की रोकथाम और उनके लिए प्रभावी टीकों की उपलब्धता देश की कृषि विकास रणनीति का अभिन्न हिस्सा है। पिछले एक दशक में भारत ने पशु एवं कुक्कुट रोगों के विरुद्ध स्वदेशी वैक्सीन विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों और देश के विज्ञानियों ने स्थानीय परिस्थितियों, भारतीय वायरस स्ट्रेन और रोगों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए अनेक वैज्ञानिक समाधान विकसित किए हैं। इससे आयात पर निर्भरता घटाने, टीकों की उपलब्धता बढ़ाने और देश की जैव-सुरक्षा मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ी हैं। यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आयाम है। इस दिशा में 2019 में विकसित सब-वायरल पार्टिकल आधारित इन्फेक्शियस बर्सल डिजीज (गंबोरो) वैक्सीन कुक्कुट स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधुनिक जैव-प्रौद्योगिकी की उल्लेखनीय उपलब्धि रही। 2020 में विकसित ब्रुसेला एबार्टस एस19 डेल्टा-पर (दीवा) वैक्सीन ने ब्रुसेलोसिस नियंत्रण के लिए नई संभावनाएं प्रस्तुत कीं। इसी प्रकार क्लासिकल स्वाइन फीवर का स्वदेशी सेल कल्चर वैक्सीन सुअर पालकों के लिए महत्वपूर्ण विकल्प बना। भारतीय वैज्ञानिक अब पशु रोगों के लिए देश की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक समाधान विकसित करने में सक्षम हैं। 2022 में लंपी स्किन डिजीज के विरुद्ध स्वदेशी टीका लंपी-प्रोवैकइंड (लंपी-प्रोवेसाइंड) का विकास एक ऐतिहासिक उपलब्धि रहा। आईसीएआर-राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार और आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के विज्ञानियों ने मिलकर यह टीका विकसित किया।

लंपी रोग के प्रकोप ने देश के पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया था। स्वदेशी टीके के विकास और इसकी तकनीक के व्यावसायिक हस्तांतरण ने देश में बड़े पैमाने पर टीका उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया। यह भारतीय अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के बीच सफल तकनीकी सहयोग का भी उदाहरण है। अफ्रीकन स्वाइन फीवर के विरुद्ध आईसीएआर-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल द्वारा विकसित स्वदेशी टीका भी बड़ी उपलब्धि है। इस रोग ने विशेषकर पूर्वोत्तर भारत के सुअर पालकों को गंभीर आर्थिक क्षति पहुंचाई थी। अगस्त 2026 में इस टीके को राष्ट्र को समर्पित किया जाना पशु स्वास्थ्य अनुसंधान में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का उल्लेखनीय पड़ाव है।

कायम है क्वाड की महत्ता

मनीला शिखर सम्मेलन में कई पहल की गईं। ये पहल क्वाड के विस्तारित होते रणनीतिक और आर्थिक एजेंडे को दर्शाती हैं। इस सिलसिले में 2027 में भारत की मेजबानी में मुंबई में आयोजित होने वाले पहले 'क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम' का उद्देश्य वाणिज्यिक साझेदारी को प्रगाढ़ बनाना, निवेश आकर्षित करना और क्षेत्रीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत बनाना होगा। यह मंच नई दिल्ली को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का अवसर भी प्रदान करता है। नेताओं ने आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बलप्रयोग अथवा दबाव के माध्यम से यथास्थिति बदलने के एकतरफा प्रयासों पर चिंता व्यक्त की।



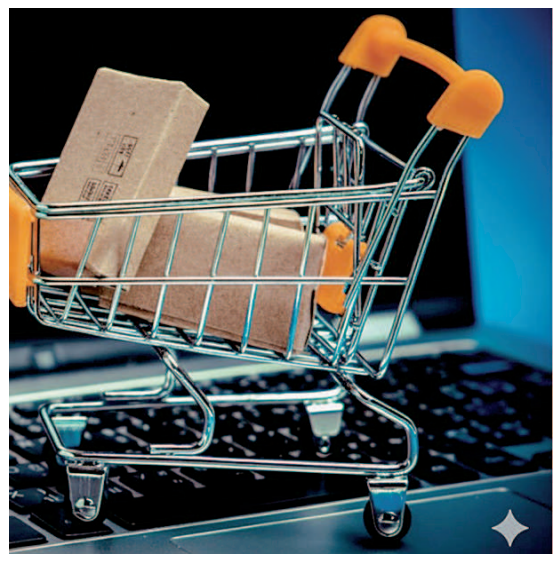
आसियान शिखर सम्मेलन से इतर मनीला में आयोजित आयोजित सातवां क्वाड शीर्ष नेतृत्व शिखर सम्मेलन इस संगठन की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर उभरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को एक मंच पर लाने वाली इस बहुप्रतीक्षित बैठक में सदस्य देशों के सभी शीर्ष नेता करीब दो वर्षों से अधिक समय के बाद मिले। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में यह उनकी पहली क्वाड बैठक रही। इससे पहले भारत में 2025 की प्रस्तावित बैठक रद हो गई थी। उसके बाद से कायम अनिश्चितताओं को दूर करते हुए इस बैठक ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के चार प्रमुख लोकतंत्रों के बीच रणनीतिक समन्वय के एक मंच के रूप में क्वाड की निरंतर बढ़ने वाली महत्ता को ही नए सिरे से पुष्ट करने का काम किया। इस शिखर सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण परिणति उन घोषणाओं को अमल में लाने पर सहमति बनने की रही, जिससे सभी सदस्य देशों के बीच रणनीतिक एकीकरण को व्यावहारिक सहयोग में बदला जा सके। मनीला शिखर सम्मेलन में कई पहल की गई। ये पहल क्वाड के विस्तारित होते रणनीतिक और आर्थिक एजेंडे को दर्शाती हैं। इस सिलसिले में 2027 में भारत की मेजबानी में मुंबई में आयोजित होने वाले पहले 'क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम' का उद्देश्य वाणिज्यिक साझेदारी को प्रगाढ़ बनाना, निवेश आकर्षित करना और क्षेत्रीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत बनाना होगा। यह मंच नई दिल्ली को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का अवसर भी प्रदान करता है। इसी क्रम में इंडो-पैसिफिक मैरिटाइम सर्विलांस कोलैबोरेशन यानी आइपीएमएससी जैसी पहल सूचनाओं के आदान-प्रदान और समुद्री क्षेत्र की निगरानी के स्तर को बेहतर बनाएगा। इसमें मार्च 2027 से चारों देशों के पी-8 और पी-3 सी गश्ती विमानों का एक प्रस्तावित संयुक्त अभ्यास भी शामिल है। इसके अलावा, 8.5 करोड़ डालर से अधिक के सहयोग से प्रस्तावित सुपर इंटेलिजेंस एक्सेलेरेटर का लक्ष्य पूरे क्षेत्र में विश्वसनीय एआइ तकनीक और तकनीकी सहायता तक पहुंच का विस्तार करना है, जो तकनीकी सहयोग की बढ़ती महत्ता को रेखांकित करता है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने के अलावा निरंतर बढ़ते डिजिटल खतरों से निपटने के लिए सुरक्षित साइबर स्पेस को बढ़ावा देने पर भी बात हुई है। वैसे तो क्वाड बैठक में चीन का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया था, लेकिन शिखर सम्मेलन का रणनीतिक संदर्भ बिल्कुल साफ था। नेताओं ने आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बलप्रयोग अथवा दबाव के माध्यम से यथास्थिति बदलने के एकतरफा प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। साथ ही समुद्री सुरक्षा, लचीली आपूर्ति शृंखलाओं और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। बीजिंग का प्रत्यक्ष उल्लेख न करने की यह सोची-समझी रणनीति यही दर्शाती है कि चारों देशों को चीन-विरोधी गठबंधन के रूप में चिह्नित किए बिना ही परस्पर समन्वय को प्रगाढ़ बनाने की गुंजाइश मिलती रहे। यह भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपनी रणनीतिक स्वायत्तता कायम रखते हुए अपनी रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करना चाहता है। महत्वपूर्ण खनिजों और आपूर्ति शृंखला की मजबूती पर बढ़ता जोर इसे रेखांकित करता है कि आर्थिक सुरक्षा किस तरह पारंपरिक सुरक्षा चिंताओं से एकीकृत होती जा रही है। सीमा-पार आतंक सहित हर तरह के आतंकवाद की स्पष्ट निंदा नई दिल्ली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद खतरे की आशंकाओं, आर्थिक प्राथमिकताओं और चीन के प्रति दृष्टिकोण को लेकर अब भी कुछ मतभेद हैं, जिसकी झलक दक्षिण और पूर्वी चीन सागर पर अपनाई गई अपेक्षाकृत अस्पष्ट भाषा में दिखाई देती है। इसलिए क्वाड के एक औपचारिक सैन्य गठबंधन के रूप में विकसित होने के आसार बहुत ही कम दिखते हैं। असल में इसकी स्थायी ताकत इसके लचीलेपन और रणनीतिक एकीकरण से जुड़े व्यापक ढांचे के भीतर विभिन्न राष्ट्रीय हितों को समायोजित करने की क्षमता में ही कहीं अधिक निहित है। भारत के लिए मनीला शिखर सम्मेलन जहां रणनीतिक आश्वासन प्रदान करता है, वहीं क्वाड के विकसित होते एजेंडे को आकार देने का अवसर भी देता है। एक ऐसे लचीले समूह के प्रति नई दिल्ली की प्राथमिकता शिखर सम्मेलन के परिणामों में व्यापक रूप से परिलक्षित भी होती है।

पहले क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम की मेजबानी से भारत को विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों, प्रौद्योगिकी,आपूर्ति शृंखलाओं के विविधीकरण में व्यापक अवसर मिलेंगे।

बदलती जीवनशैली

'बाय लेस, यूज मोर' क्यों बन रहा नया मंत्र?





एक समय था जब ज्यादा खरीदारी को आधुनिक और खुशहाल जीवनशैली की निशानी माना जाता था। नई ड्रेस, नया गैजेट, घर की बदलती सजावट और हर सीजन में नए ट्रेंड को अपनाना लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। लेकिन अब धीरे-धीरे सोच बदल रही है। खासकर युवाओं और शहरी उपभोक्ताओं के बीच एक नया मंत्र लोकप्रिय हो रहा है, 'बाय लेस, यूज मोर' यानी कम खरीदें और जो है, उसका ज्यादा इस्तेमाल करें। यह केवल पैसे बचाने की आदत नहीं, बल्कि जरूरत, उपयोगिता और टिकाऊ जीवनशैली को समझने का नया नजरिया है।

जरूरत और चाहत में फर्क

ऑनलाइन शॉपिंग और आसान डिजिटल भुगतान ने खरीदारी को बेहद आसान बना दिया है। कुछ क्लिक में सामान घर तक पहुंच जाता है। ऐसे में कई बार हम जरूरत से ज्यादा चीजें खरीद लेते हैं। कपड़ों की अलमारी भरी रहती है, लेकिन पहनने के लिए कुछ नहीं होता। किचन में कई ऐसे उपकरण होते हैं, जिनका इस्तेमाल साल में एक-दो बार ही होता है। 'बाय लेस, यूज मोर' का पहला संदेश यही है कि खरीदने से पहले खुद से पूछा जाए कि क्या मुझे वास्तव में इसकी जरूरत है? अगर किसी चीज का इस्तेमाल नियमित रूप से होना है, तभी उसे खरीदना ज्यादा समझदारी हो सकती है।

क्वालिटी पर बढ़ता जोर

कम खरीदने का मतलब यह नहीं कि हर चीज सस्ती खरीदी जाए। इसके बजाय लोग अब ऐसी वस्तुओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो लंबे समय तक चलें। एक अच्छी गुणवत्ता वाली जैकेट, जूते या बैग वर्षों तक इस्तेमाल किये जा सकते हैं। इससे बार-बार खरीदारी की जरूरत कम होती है और संसाधनों की अनावश्यक खपत भी घटती है। यही सोच फैशन में भी दिखाई दे रही है। हर मौसम में नए कपड़े खरीदने के बजाय बेसिक और आसानी से अलग-अलग तरीके से पहने जा सकने वाले कपड़ों को महत्व दिया जा रहा है। पुराने कपड़ों की मरम्मत, री-यूज और अपसाइक्लिंग भी इसी बदलाव का हिस्सा हैं। इससे वस्तुओं की उपयोगिता बढ़ती है और लंबे समय तक उनका इस्तेमाल संभव होता है।



घर में भी कम, लेकिन काम का फॉर्मूला

मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल ने भी इस सोच को लोकप्रिय बनाया है। इसका मतलब खाली घर या बहुत कम सामान रखना नहीं, बल्कि ऐसा सामान रखना है जो वास्तव में उपयोगी हो। घर में मौजूद वस्तुओं को व्यवस्थित करना, बेकार पड़े सामान को हटाना और एक ही काम के लिए कई चीजें खरीदने से बचना रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बना सकता है। कई लोग अब खरीदने के बजाय चीजों को किराये पर लेने, साझा करने या इस्तेमाल के बाद दूसरों को देने जैसे विकल्प भी अपना रहे हैं। किताबें, फर्नीचर, औजार और कुछ इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद इस तरह की साझा अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं।

पर्यावरण के लिए भी जरूरी

'बाय लेस, यूज मोर' का संबंध पर्यावरण से भी है। किसी वस्तु का उत्पादन करने में कच्चा माल, पानी, ऊर्जा और परिवहन संसाधनों की जरूरत पड़ती है। जरूरत से ज्यादा खरीदारी का मतलब अक्सर ज्यादा संसाधनों का इस्तेमाल और अंत में ज्यादा कचरा भी होता है। जब किसी उत्पाद का इस्तेमाल लंबे समय तक किया जाता है तो उसकी उपयोगिता बढ़ती है और नए उत्पाद खरीदने की जरूरत घटती है। इस तरह छोटी-सी व्यक्तिगत आदत भी संसाधनों की बचत और कचरा कम करने में योगदान दे सकती है।

बचत के साथ संतोष भी

इस जीवनशैली का एक आर्थिक फायदा भी है। कम और सोच-समझकर खरीदने से अनावश्यक खर्च घट सकता है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है मानसिक संतोष। हर नया ट्रेंड अपनाने या हर नई चीज खरीदने की इच्छा से दूरी बनाकर व्यक्ति अपनी प्राथमिकताओं पर अधिक ध्यान दे सकता है। आखिरकार, 'बाय लेस, यूज मोर' का मतलब जिंदगी से चीजें हटाना नहीं, बल्कि चीजों की जगह उनके सही इस्तेमाल को महत्व देना है। यह हमें याद दिलाता है कि अच्छी लाइफस्टाइल हमेशा ज्यादा सामान से नहीं बनती। कई बार कम चीजों के साथ ज्यादा उपयोग, ज्यादा समझदारी और ज्यादा संतोष ही बेहतर जीवन का रास्ता बन जाता है।

कार छोड़ साइकिल अपनाने के फायदे

शरीर की सक्रियता बढ़े और मांसपेशियां बनें मजबूत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में कार और बाइक ने सफर को आसान तो बनाया है, लेकिन इसके साथ हमारी दिनचर्या अधिक निष्क्रिय भी होती गई है। घर से दफ्तर, बाजार या जिम तक जाने के लिए वाहन पर निर्भरता बढ़ने से पैदल चलना और साइकिल चलाना कम हुआ है। ऐसे में कार छोड़कर साइकिल अपनाना केवल परिवहन का विकल्प बदलना नहीं, बल्कि अपनी पूरी जीवनशैली को अधिक सक्रिय, सरल और प्रकृति के करीब बनाने की कोशिश है।



सफर के साथ फिटनेस भी

रोजाना कुछ किलोमीटर साइकिल चलाने से शरीर को नियमित व्यायाम मिलता है। पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर की सक्रियता बढ़ती है और लंबे समय तक बैठे रहने की आदत कम होती है। जिन लोगों के पास अलग से व्यायाम या जिम के लिए समय नहीं है, उनके लिए साइकिल से रोजमर्रा का सफर ही फिटनेस का हिस्सा बन सकता है। हालांकि, साइकिल चलाने की अवधि और गति उम्र तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अनुसार तय करना बेहतर है।

ट्रैफिक से राहत, सफर में सुकून

कार से सफर करते समय हम अक्सर ट्रैफिक, पार्किंग और ईंधन की चिंता में रहते हैं। साइकिल इन परेशानियों को काफी हद तक कम कर सकती है। छोटी दूरी के लिए साइकिल अपनाने से पार्किंग की समस्या से राहत मिलती है और कई जगहों पर ट्रैफिक के बीच भी आसानी से आगे बढ़ा जा सकता है।

तनाव घटे, मूड रहे बेहतर

साइकिल से सफर करने पर पेड़-पौधे व मौसम को करीब से महसूस करने का अवसर मिलता है। सुबह साइकिल चलाना दिन की अच्छी शुरुआत बन सकता है। नियमित शारीरिक गतिविधि तनाव कम करने और बेहतर नींद जैसी जीवनशैली संबंधी आदतों से जुड़ी हुई है। हालांकि, इसे किसी बीमारी के इलाज का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

बचत का भी साधन बने साइकिल

आर्थिक दृष्टि से भी साइकिल कार की तुलना में काफी किफायती साधन है। इसमें ईंधन का खर्च नहीं होता और रखरखाव भी सामान्यत: कम खर्चीला होता है। रोजमर्रा की छोटी दूरी के लिए साइकिल इस्तेमाल करने से परिवहन पर होने वाला खर्च घटाया जा सकता है।



पर्यावरण के लिए भी बेहतर कदम

छोटी दूरी के लिए मोटर वाहन की जगह साइकिल का इस्तेमाल करने से ईंधन की खपत और स्थानीय स्तर पर वाहन उत्सर्जन कम करने में योगदान दिया जा सकता है। हालांकि, केवल व्यक्तिगत स्तर पर साइकिल अपनाना पर्याप्त नहीं है। सुरक्षित साइकिल लेन, बेहतर सड़क डिजाइन, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षित पार्किंग जैसी सुविधाएं भी जरूरी हैं, ताकि ज्यादा लोग इस विकल्प को सहजता से अपना सकें।

कम दूरी के लिए बहुत उपयोगी

लंबी दूरी, खराब मौसम, भारी सामान या परिवार के साथ यात्रा जैसी परिस्थितियों में कार उपयोगी हो सकती है। समझदारी यह है कि जहां दूरी कम हो और परिस्थितियां अनुकूल हों, वहां साइकिल को प्राथमिकता दी जाए। सप्ताह में कुछ दिन साइकिल से काम पर जाना या बाजार तक साइकिल से पहुंचना भी शुरुआत हो सकती है।

छोटा बदलाव, बड़ा असर

साइकिल अपनाने का असली अर्थ केवल वाहन बदलना नहीं, बल्कि जीवन की गति को थोड़ा संतुलित करना है। यह हमें अपने शरीर को अधिक सक्रिय रखने, खर्च को नियंत्रित करने और आसपास के वातावरण से जुड़ने का अवसर देती है। जरूरत इस बात की है कि साइकिल को केवल व्यायाम का साधन न मानकर रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाए।

नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी पहल में राजस्थान को मिली नई सफलता

पीएम स्वनिधि योजना के विशेष अभियान में प्रदेश को मिला श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का पुरस्कार

संचार जगत



जयपुर। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल एवं पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण के संकल्प को साकार करने की दिशा में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री स्वनिधि (PM SVANidhi) योजना के अंतर्गत आयोजित विशेष अभियान में ऋण वितरण के लिए राजस्थान ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित समारोह में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय में मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं राज्य मंत्री तोखन साहू ने राजस्थान को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। राज्य की ओर से राज्य मिशन निदेशक श्री प्रतीक जुईकर ने पुरस्कार ग्रहण किया। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 2.48 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को 3.30 लाख ऋणों के माध्यम से कुल ?482.92 करोड़ का बिना गारंटी ऋण वितरित किया जा चुका है।

योजना के माध्यम से शहरी पथ विक्रेताओं को अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता पूरी करने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, विशेष अभियान के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों तथा शहरी पथ विक्रेताओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए किए गए प्रयासों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें संस्थागत ऋण सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पीएम मोदी आज बंगाल और यूपी का करेंगे दौरा



संचार जगत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान वे शिक्षा, कौशल विकास और युवाओं से जुड़े दो बड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पहले वे आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान वे 75 छात्रों से बातचीत भी करेंगे, जो संस्थान की 75 साल की यात्रा का प्रतीक हैं। यह बातचीत युवाओं के विचारों, नवाचार और भविष्य की आकांक्षाओं पर केंद्रित होगी। इसके बाद वे बिहार जाएंगे, जहां वे वैशाली में विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 5वें कौशल दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगे। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में शुरू किया गया कौशल दीक्षांत समारोह कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता देने और प्रशिक्षित युवाओं के प्रशिक्षण से कार्य-जगत में प्रवेश का जश्न मनाने के लिए एक वार्षिक राष्ट्रीय मंच के रूप में उभरा है।

योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन



संचार जगत

पौड़ी गढ़वाल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 91 वर्ष की थीं और लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। योगी आदित्यनाथ का जन्म उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव में एक गढ़वाली राजपूत परिवार में हुआ था। उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में फॉरेस्ट रेंजर के पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां सावित्री देवी गृहिणी थीं। योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का 20 अप्रैल 2020 को निधन हो गया था। परिवार में कुल सात बच्चे हैं। तीन बड़ी बहनों और एक बड़े भाई के बाद योगी आदित्यनाथ पांचवें नंबर पर हैं। उनके दो छोटे भाई भी हैं।

दिल्ली-हापुड़ के बीच इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरु

संचार जगत



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन भी हुआ। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन पहलों से सार्वजनिक परिवहन में सुधार होगा, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और शहर के पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले 18 महीनों से सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है। ऐसे समय में जब प्रदूषण एक बड़ी चिंता बन गया है, सरकार निवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने कहा कि ये बसें न केवल निवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाएंगी, बल्कि उनकी सुरक्षा भी बढ़ाएंगी और शहर के पर्यावरण को भी लाभ पहुंचाएंगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण कम हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के भारतीय मॉड्यूल का भंडाफोड़



संचार जगत

नई दिल्ली। भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अमेरिका के ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन ने संयुक्त अभियान मानसून थंडर के तहत संगठित अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के भारतीय मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

यह नेटवर्क कथित तौर पर अमेरिका में उपभोक्ताओं को साइकोट्रोपिक पदार्थों और ओपिओइड-एनआरएक्स दवाओं की अवैध सप्लाई में शामिल था। एनसीबी ने हैदराबाद, दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ सहित कई स्थानों पर छापेमारी की और 4 से 13 नवंबर के बीच छह लोगों को गिरफ्तार किया, जो इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का हिस्सा थे। जांच से पता चला है कि यह नेटवर्क पूरे अमेरिका में उपभोक्ताओं को साइकोट्रोपिक पदार्थ और ओपिओइड-एनआरएक्स दवाएं सप्लाई करने का काम कर रहा था।

जून 2022 से नवंबर 2026 के बीच इस नेटवर्क ने पूरे अमेरिका में लगभग 3 हजार पार्सल भेजे, जिनमें करीब पांच लाख गोलियां थीं। जांच से पता चलता है कि भारतीय ऑपरेटरों को टेलीग्राम, स्काइप और व्हाट्सऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए दवाओं के ऑर्डर मिलते थे। इसके बाद अमेरिका में काम कर रहा यह नेटवर्क, यूनाइटेड स्टेट्स पोस्टल सर्विस और अन्य डिलीवरी माध्यमों से इन दवाओं की खेप भेजता था।

स्पीकर देवनानी ने किया 'विजन 2047' पोस्टर का विमोचन

देवनानी ने बच्चों को बताई विधान सभा की कार्यप्रणाली और समझाएं कर्तव्य



संचार जगत

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि बच्चों को संस्कारवान और ज्ञानवान बनाने के लिए उन्हें कर्तव्यों की जानकारी देना आवश्यक है। देवनानी ने बच्चों से कहा कि वे भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व की अनुभूति करें। गहराई से प्रत्येक बात को समझें। पुरातन भारतीय संस्कृति को आधुनिकता से जोड़े। गीता से कर्म की भावना और रामायण से संस्कार सीखे। विकसित भारत 2047 में योगदान देने के लिए बच?चों को नौकरी देने वाला बनना होगा। इस मौके पर स्पीकर देवनानी ने 'विजन 2047' पोस्टर का अवलोकन किया। देवनानी ने शुक्रवार को यहां विधान सभा में फ्यूचर सोसायटी और यूनिसेफ के तत्वावधान में विधान सभा सदन, भवन और संग्रहालय को देखने आए जयपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने राजस्थान विधान सभा परिसर का भ्रमण किया और विधानसभा के संग्रहालय का अवलोकन किया। संग्रहालय में प्रदर्शित ऐतिहासिक सामग्री, तस्वीरों और विधानसभा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के माध्यम से बच्चों को प्रदेश की संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक इतिहास को करीब से जानने का अवसर मिला। विधानसभा अध्यक्ष ने बच्चों को विधानसभा की कार्यप्रणाली के बारे में बताया कि विधानसभा में जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि प्रदेश के विकास, जनहित और जनसमस्याओं से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हैं। कानून निर्माण, जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में विधानसभा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स?पीकर श्री देवनानी ने कहा कि विश्व बाल दिवस की सार्थकता तभी है जब बच्चे अपनी ज़िम्मेदारी भी समझेंगे।

आईआईएएस सियोल सम्मेलन संपन्न



संचार जगत

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने आईआईएएस सियोल सम्मेलन-2026 को वैश्विक सुशासन में एशिया की बढ़ती भूमिका का प्रतीक बताया। कोरिया गणराज्य के सियोल में सम्मेलन के समापन सत्र में उन्होंने कहा कि सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल मंचों और बड़े आंकड़ों के प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। श्रीनिवास ने सम्मेलन में पांच अनुच्छेदों वाली सियोल घोषणा को अंगीकार किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह घोषणा सामाजिक मूल्य को विकास के केंद्र में रखती है तथा सरकारों, व्यावसायिक जगत, नागरिक समाज, शिक्षाजगत और स्थानीय समुदायों के सहयोग से सामाजिक समस्याओं के समाधान एवं संस्थागत बदलाव को आगे बढ़ाने पर बल देती है। उन्होंने विभिन्न देशों में शासन की गुणवत्ता का आकलन करने वाले आईआईएएस सुशासन सूचकांक को संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

सीतारमण ने की प्री-बजट परामर्श बैठक



संचार जगत

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियों के तहत रोजगार और श्रम क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ आठवीं प्री-बजट परामर्श बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और श्रम बाजार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सुझाव प्राप्त करना था। चर्चा के दौरान रोजगार और श्रम क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों तथा विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। वित्त मंत्रालय लगातार विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ प्री-बजट बैठकों का आयोजन कर रहा है। इससे पहले वित्त मंत्री ने बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और सतत विकास क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बैठक की थी। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, पूंजी बाजार, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा क्षेत्र, एमएसएमई सेक्टर तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ भी व्यापक चर्चा की जा चुकी है।

जिला बाल कल्याण समिति की बैठक आयोजित

देवउठनी एकादशी पर होने वाले बाल विवाह, बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति की प्रभावी रोकथाम को लेकर चर्चा की गई

संचार जगत



झालावाड़। बाल संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत जिला बाल कल्याण समिति कार्यालय में विशेष बैठक आयोजित की गई। इसमें देवउठनी एकादशी पर होने वाले विवाह समारोहों में बाल विवाह, बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति की प्रभावी रोकथाम को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में विवाह समारोहों के दौरान बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, बाल विवाह, बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति के मामलों की पहचान, निगरानी एवं रोकथाम के लिए संयुक्त कार्ययोजना बनाई गई।

बैठक में बताया गया कि विवाह खुशियों का अवसर है, लेकिन इसकी आड़ में किसी भी बच्चे के बचपन, शिक्षा एवं सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। बैठक में बच्चों को शोषण, बाल विवाह, बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति से बचाने के लिए विभागों, संस्थाओं एवं समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा नियमित फॉलोअप करने पर जोर दिया। साथ ही चंद्रभागा मेले में भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम की विशेष निगरानी करने की बात कही।

कांग्रेस में हुआ संगठनात्मक फेरबदल



संचार जगत

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए राजस्थान की सियासत और प्रदेश कांग्रेस की टीम में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। पार्टी नेतृत्व की ओर से जारी सूची के अनुसार, राजस्थान कांग्रेस के तीनों वर्तमान सह-प्रभारी सचिवों को पद से हटाकर उनके स्थान पर चार नए राष्ट्रीय सचिवों को राजस्थान का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही, सांसद संजना जाटव और पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा सहित तीन नेताओं को राष्ट्रीय सचिव पद से मुक्त कर दिया गया है, जबकि प्रदेश के 6 नेताओं को राष्ट्रीय सचिव बनाकर विभिन्न राज्यों का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिव पद पर कार्यरत चिरंजीव राव, ऋतिक मकवाना और पूनम पासवान को राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान सह-प्रभारी के दायित्व से हटा दिया है। संगठन को मजबूती देने के लिए पार्टी ने चार राष्ट्रीय सचिवों विश्व विजय सिंह, पलक वर्मा, मनोज बागड़ी और पोरलक खारते को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस का नया सह-प्रभारी सचिव नियुक्त किया है। दूसरी ओर, राजस्थान से 6 नेताओं को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त कर विभिन्न राज्यों में सह-प्रभारी बनाया गया है। इनमें सेवा दल के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत और विधायक डूंगर राम गेदर को पहली बार राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बांग्लादेश में हिंसा से चार लोगों की मौत, कई घायल



संचार जगत

ढाका। बांग्लादेश में पिछले छह दिनों में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है, जिसमें आगजनी, देसी बम विस्फोट, तोड़फोड़, सड़कें जाम करना और झड़पें शामिल हैं। इस हिंसा में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 14 से 19 नवंबर के बीच कम से कम 12 जिलों में हुई हिंसा के दौरान पुलिस थानों, राजनीतिक नेताओं के घरों, सरकारी दफ्तरों, वाहनों, परिवहन ढांचे, और वित्तीय और शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाया गया। बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बीच कई जिलों में अवामी लीग के नेताओं और पार्टी से जुड़े लोगों के घरों पर हमले हुए। इन घरों में तोड़फोड़ की गई, लूटपाट की गई और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया। हिंसा की वारदातों में पुलिस ठिकानों और वाहनों को भी निशाना बनाया गया। तीन पुलिस ठिकानों पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जबकि पुलिस के 18 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। इसके अलावा, दो पुलिस ठिकानों पर देसी बम धमाके हुए, जिसमें एक वाहन को नुकसान पहुंचा।

तीन साल बाद भारत पहुंचे पाकिस्तानी मंत्रीः कांग्रेस ने मोदी सरकार से पूछे सवाल

संचार जगत

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच पाकिस्तान के एक मंत्री के भारत पहुंचने पर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ. मुसादिक मलिक एससीओ सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में हिस्सा लेने भारत आए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ वर्षों से जारी तनाव के बीच करीब तीन साल बाद पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत आया है। उनके दौरे को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल उठाया कि एक तरफ पाकिस्तान पर भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारतीय नागरिकों की हत्या कराने के आरोप लगते हैं, वहीं दूसरी तरफ केंद्र सरकार ऐसे पाकिस्तानी मंत्री का स्वागत कर रही है। कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार उनके स्वागत-सत्कार और बिरयानी-कबाब की तैयारी में जुटी है। पार्टी ने इसे देश और देशवासियों के साथ गद्दारी करार देते हुए कहा कि मोदी सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए था। कांग्रेस ने यह भी कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद पर पूरी तरह रोक नहीं लगाता, तब तक उसके साथ किसी तरह की बातचीत नहीं होनी चाहिए।

रालसा का सड़क सुरक्षा अभियान 2.0 शुरू

संचार जगत



जोधपुर। प्रदेश में दो महीने तक सड़क सुरक्षा के संबंध में राज्यव्यापी अभियान 16 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक चलाया जा रहा है। परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा स्लीपर कोच, लग्जरी बसों, सिटी बसों और मिनी बसों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वाहनों के वैध परमिट, फिटनेस प्रमाण-पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र, आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर और अनिधकृत संरचनात्मक बदलावों की जांच की गई। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों और संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार चालान काटने तथा गंभीर अनियमितता पाए जाने पर वाहन जब्त करने की कार्रवाई की गई। अभियान का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और बस संचालन से जुड़े निर्धारित नियमों एवं मानक संचालन प्रक्रिया की पालना करवाना है।

लाहौर एक बार फिर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

संचार जगत



नई दिल्ली। पाकिस्तान का लाहौर एक बार फिर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। शुक्रवार सुबह 7 से 8 बजे के बीच यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 465 दर्ज किया गया। प्रदूषण का यह स्तर स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक बताया जा रहा है। पंजाब के कई शहरों में वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है।

प्रदूषण का यह स्तर विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस एवं हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहा है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें, खिड़कियां बंद रखें, बाहर जाते समय सुरक्षात्मक मास्क पहनें और घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें।

लाहौर में सूक्ष्म कणों के प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत परिवहन क्षेत्र है। इसके बाद उद्योगों की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत और ईंट भट्ठों की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। सर्दियों में मौसम की परिस्थितियां भी प्रदूषण की समस्या को और गंभीर बना देती हैं।

फंडिंग का मुख्य सोर्स बना शेयर बाजार



संचार जगत

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि शेयर बाजार कंपनियों के लिए मुख्य फंडिंग सोर्स के रूप में उभरा है और बीते एक दशक में कंपनियों ने इक्विटी और डेट सॉल्यूशंस के जरिए सालाना करीब 10 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सीआईआई फाइनेंसिंग समिट में पांडे ने कहा कि देश के पूंजी बाजारों में काफी विस्तार हुआ है। इसके पीछे मजबूत आर्थिक विकास, निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और लगातार किए गए नियामक सुधारों का बड़ा हाथ है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत के इक्विटी बाजार का पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है।उनके अनुसार, कॉर्पोरेट बॉन्ड कंपनियों के लिए फाइनेंसिंग के स्रोतों में विविधता लाने और पारंपरिक बैंक ऋण पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कांग्रेस के संगठन में हुआ बड़ा फेरबदल

संचार जगत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने संगठन में बड़े फेरबदल की घोषणा की। इसके तहत पार्टी पदाधिकारियों को अलग-अलग राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और महत्वपूर्ण कार्यात्मक जिम्मेदारियों के लिए एआईसीसी सचिव के रूप में नियुक्त या पुनर्नियुक्त किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष की मंजूरी के बाद यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। इस सूची में 81 सचिव शामिल हैं, जिन्हें पार्टी की मुख्य संगठनात्मक इकाइयों और लगभग हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में तैनात किया गया है।

गृह रक्षा विभाग की में स्वयंसेवकों के नियोजन को बढ़ाने पर जोर

महानिदेशक अनिल पालीवाल ने जिला समादेष्टाओं से किया सीधा संवाद

संचार जगत



जयपुर। गृह रक्षा विभाग, राजस्थान की राज्य स्तरीय कमांडेंट कॉन्फ्रेंस गुरुवार 19 नवंबर को केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई), फतेहपुरा बेगस, जयपुर में आयोजित हुई। महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा अनिल पालीवाल (आईपीएस) की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में विभाग के प्रशासनिक, वित्तीय एवं कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में स्वयंसेवकों के नियोजन में वृद्धि, पारदर्शी ड्यूटी रोटेशन और जिला इकाइयों में अनुशासन सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। कॉन्फ्रेंस के दौरान महानिदेशक एवं महासमादेष्टा पालीवाल ने प्रदेश के विभिन्न जिला प्रशिक्षण केन्द्रों से आए समादेष्टाओं के साथ व्यक्तिगत संवाद किया। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर कार्य संचालन में आ रही समस्याओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी ली तथा समादेष्टाओं से सुझाव प्राप्त किए। साथ ही समस्याओं के त्वरित एवं व्यावहारिक समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू), निजी कंपनियों एवं प्रतिष्ठानों में गृह रक्षा स्वयंसेवकों के नियोजन के अवसर बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके लिए ऑनलाइन नियोजन सॉफ्टवेयर एचडीएमएस का प्रभावी उपयोग करने तथा ड्यूटी रोटेशन प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जिला इकाइयों में अनुशासन सुदृढ़ करने, ड्यूटी रोटेशन संबंधी आदेशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने और विभागीय जांचों का निष्पक्ष एवं त्वरित निस्तारण करने पर भी बल दिया गया।

बजट, न्यायालय प्रकरणों और स्थापना दिवस की तैयारियों की समीक्षा

कॉन्फ्रेंस में आवंटित बजट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने, लंबित न्यायालय प्रकरणों एवं ऑडिट आक्षेपों का निस्तारण करने तथा भंडार और हथियारों के उचित रख-रखाव की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी 6 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाले गृह रक्षा स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

मुख्यालय के निर्देशों की पालना और नियमित संवाद के निर्देशः महानिरीक्षक पुलिस गृह रक्षा राजेश मीना (आईपीएस) ने अधिकारियों को मुख्यालय से जारी परिपत्रों, स्थायी आदेशों एवं अन्य निर्देशों का गहन अध्ययन करने को कहा।

नेपाल के प्रधानमंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा पर आएंगे

संचार जगत



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 22-23 नवंबर को भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। मार्च 2026 में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। अपनी यात्रा के दौरान बालेंद्र शाह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 23 नवंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान वे भारत-नेपाल संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। यह यात्रा द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने तथा आपसी लाभ वाले सहयोग को आगे बढ़ाने का एक अवसर प्रदान करेगी। इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने काठमांडू में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से मुलाकात की थी। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इस बैठक में भारत-नेपाल संबंधों के विभिन्न पहलुओं और आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 8 मोटरसाइकिलें बरामद

संचार जगत



दौसा। वाहन चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दौसा जिले की सलेमपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरजिला मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से जयपुर जिले के विभिन्न इलाकों से चोरी की गई 8 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अब आरोपी के अन्य साथियों की तलाश और चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर जयपुर शहर और जिले के कई इलाकों से मोटरसाइकिलें चुराकर लाता है और ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते दामों पर बेच देता है।

आरोपी ने खुलासा किया कि उसने चोरी की 8 मोटरसाइकिलें अपने घर के अंदर पाटोल में छिपाकर रखी हुई हैं। पुलिस टीम ने आरोपी के निवास पर दबिश दी, जहां घर के पाटोल पोश कमरों से चोरी की 8 मोटरसाइकिलें बरामद हुई।

अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा 27 जनवरी तक बढ़ी

संचार जगत



कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी को मिली अंतरिम सुरक्षा को 27 जनवरी तक बढ़ा दिया है।

यह सुरक्षा उन्हें पुलिस की सख्त कार्रवाई से बचाने के लिए दी गई थी। यह मामला इस वर्ष की शुरुआत में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कथित तौर पर धमकी देने से जुड़ा है।

हालांकि, सुरक्षा बढ़ाते हुए, जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि न्यायपालिका के खिलाफ इस तरह की टिप्पणियां बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि हो सकता है कि ये टिप्पणियां जानबूझकर न की गई हों, और इसलिए जरूरी नहीं कि ये अदालत की अवमानना के दायरे में आएं। जज ने कहा कि ऐसी टिप्पणियों से बचा जा सकता था। अदालत के खिलाफ इस तरह की बातें स्वीकार्य नहीं हैं। यह अदालत के लिए दुखद है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ

देवउठनी एकादशी पर सेवा भारती समिति के सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में 10 जोड़ों ने लिए सात फेरे

संचार जगत



दौसा। देवउठनी एकादशी पर सेवा भारती समिति के तत्वावधान में श्री राम जानकी अष्टम सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।

संतों के सान्निध्य में आयोजित इस भव्य समारोह में सर्वसमाज के 10 नवयुगलों का पाणिग्रहण संस्कार वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। इस सामाजिक समरसता के महायज्ञ में सर्वसमाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह में अखिल भारतीय और प्रांतीय पदाधिकारियों सहित भामाशाहों का सम्मान किया गया।

अखिलेश यादव ने रोड शो के दौरान लड़के की मौत पर जताया दुख

संचार जगत



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पार्टी के रोड शो के दौरान एक नाबालिग की मौत पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक?स पर लिखा कि एक हादसे में मासूम की मौत से हम सभी बहुत दुखी हैं और परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हमने अपने लोगों से कहा है कि वे परिवार से मिलें और उन्हें हर संभव मदद दें। उन्होंने कहा कि जो लोग इस दुखद हादसे पर राजनीति कर रहे हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि हाल ही में लखनऊ में आग लगने की घटना में जान गंवाने वाले एक युवक की दुखी मां के साथ उन्होंने कैसा बुरा बर्ताव किया था।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।